Your Imagination, we Print...
JGP
JAY graphics & printers
COMMERCIAL PRINTERS
C-15 VIKRAM CHAMBARS, NR.INCOME TAX OFFICE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.
Ph. : 93288 95485

Regd.RNI.No. GUJHIN/2016/72566

GANDHINAGAR

पाटनगर उदय

प्रधान सम्पादक : ईलेवान एच. ठाकर
मो.नं. : 99784 07016

सह सम्पादक : सुरेश के. मालाणी
मो.नं. 97269 63888

• वर्ष : 10 • अंक : 287 • दिनांक : 23-07-2026, THURSDAY • पेज : 04 • मुल्य : 0.90/- (paisa) वार्षिक शुल्क : 280/-

'पाटनगर उदय'
दैनिक समाचार पत्र में समाचार, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिये
सम्पर्क करें : गांधीनगर कार्यालय
403, अखबार भवन, सेक्टर-11, गांधीनगर- 382011.
अहमदाबाद कार्यालय : 4, अवनी हाउस, मिठाखली रेलवे क्रॉसिंग के पास, मिठाखली गाम, अहमदाबाद - 380006.
मोबाईल नं. : 93288 95485
email:- patnagaruday@gmail.com

• कार्यवाहक सम्पादक : कनकभाई पंड्या • Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR (GUJ) ई-मेलः patnagaruday@gmail.com

वांगचुकने कहा- सरकार भरोसा दे, बच्चों पर एक्शन न हो; हाईकोर्ट बोला- मारपीट के फुटेज सुरक्षित रखें

वांगचुक अनशन तोड़ने को तैयार, केंद्रीय मंत्रियों को चिट्ठी लिखी

»नई दिल्ली

गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह को चिट्ठी लिखी। उन्होंने कहा कि बच्चों के खिलाफ कोई एक्शन न हो। सरकार भरोसा दे तो वे अनशन खत्म कर सकते हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी ने सरकार की तरफ से बातचीत की पेशकश ठुकरा दी। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि वे बातचीत के लिए किसी के घर या दफ्तर नहीं जाएंगे। अगर सरकार बातचीत करना चाहती है तो जंतर-मंतर आए या उसके आसपास किसी जगह पर बैठक करे।

दिल्ली हाईकोर्ट में स्टूडेंट्स से मारपीट के मामले में अर्जी पर सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने सरकार से कहा- मारपीट के CCTV फुटेज सुरक्षित रखे जाएं। उधर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शन का आज 33वां दिन है। बुधवार सुबह से हजारों प्रदर्शनकारी यहां मौजूद हैं। इस बीच सुरक्षा कारणों से दिल्ली के 16 मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए है। अभिजीत दीपके ने सोनम वांगचुक से अनशन खत्म करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश को उनकी जरूरत है। उन्होंने कहा कि पार्टी का शांतिपूर्ण प्रदर्शन आगे भी जारी रहेगा।

केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल से CRPF की 20 अतिरिक्त कंपनियों को दिल्ली में तैनात करने का आदेश दिया है। गृह मंत्रालय के निर्देश पर करीब 2000 जवानों को पश्चिम बंगाल के कोलकाता से एयरलिफ्ट कर लाया गया। दिल्ली पुलिस ने CJP के प्रदर्शन के दौरान RAF के एक जवान पर हमले के मामले में FIR दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक, वायरल वीडियो में कुछ प्रदर्शनकारी RAF जवान के साथ मारपीट करते, RAF के वाहन पर पथराव करते और उसमें तोड़फोड़ करते दिखाई दे रहे हैं। CJP के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि हम सरकार से बातचीत करने को तैयार है, लेकिन बातचीत किसी

मंत्री के घर के बजाय न्यूट्रल जगह पर होनी चाहिए।

विरोध-प्रदर्शन वाली जगह पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दास ने कहा कि जनता की अदालत यहीं है। मंत्रियों को लोगों के बीच आना चाहिए। कॉकरोच जनता पार्टी प्रदर्शनकारियों पर से मारपीट के आरोपों वाली याचिकाओं पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई।

हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर रिकॉर्ड, जैसे CCTV और अन्य फुटेज, सुरक्षित रखने को कहा है। सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (ASG) एस. राजू ने कहा कि याचिकाओं का मकसद पब्लिसिटी पाना था।इस पर हाईकोर्ट ने पूछा, आप यह कैसे कह सकते हैं कि यह पब्लिसिटी के लिए दायर याचिका है? अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) ने केंद्र सरकार से प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता और पारदर्शिता संबंधी सुधारों की सिफारिश करने के लिए एक हाईलेवल कमेटी बनाने की मांग की है।

ABVP ने मांग की कि यह कमेटी परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने के उपाय सुझाए। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे सोनम वांगचुक ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह को चिट्ठी लिखी। उन्होंने मांग की कि बच्चों के खिलाफ कोई एक्शन न हो। अगर सरकार भरोसा दिलाए तो वे अनशन खत्म कर सकते हैं। जंतर-मंतर के पास प्रदर्शनकारियों की पत्थरबाजी में बुधवार शाम असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (ACP) घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, पंजाबी बाग में तैनात ACP जय प्रकाश पर शाम 4.30 बजे प्रदर्शनकारियों ने पत्थर मारे। माथे पर पत्थर लगने से वे घायल हो गए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने की अपील की। CJP के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि बुधवार सुबह दिल्ली पुलिस ने उन्हें बताया कि जेपी नड्डा उनसे बात करना चाहते हैं और उन्हें उनके आवास पर बुलाया गया था। उन्होंने कहा कि CJP ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

'कॉकरोचों' पर लाठीचार्ज- सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

चीफ जस्टिस बोले- वीडियो देखने का वक्त नहीं, हमारा समय बर्बाद न करें

»नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी समर्थकों पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है। बुधवार को एक वकील ने CJI की अगुआई वाली 3 जजों की बेंच के सामने जनहित याचिका लगाई थी। CJI सूर्यकांत ने कहा, 'हमें वीडियो देखने में कोई रुचि नहीं है। हमारे पास उन्हें देखने का समय नहीं है।' जब वकील ने छात्रों के साथ मारपीट के वीडियो देखने का दूसरी बार अनुरोध किया तो CJI ने कहा, 'हमारा और अपना समय बर्बाद मत कीजिए।' बता दें कि 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान CJI ने कहा था, 'कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या RTI एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं।' इस टिप्पणी के बाद ही अभिजीत दीपके ने इंस्टाग्राम पर कॉकरोच जनता पार्टी नाम से अकाउंट बनाया था।

कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई को संसद मार्च निकाला था। इस दौरान हजारों प्रदर्शनकारी संसद की तरफ बढ़े थे, इन्हें रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। इसमें 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी और छात्रों को चोटें आई थीं। मंगलवार को ऐसा ही एक मामला दिल्ली हाईकोर्ट में भी पहुंचा था। तब दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इसी तरह की याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया था। कहा था कि कोर्ट को इसमें न घसीटें। एसोसिएशन ने निर्दोष छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की निंदा की है। एसोसिएशन ने कहा है कि इस कार्रवाई में कई छात्र गंभीर रूप से घायल हुए। इस घटना की तुरंत, निष्पक्ष और समय से जांच होनी चाहिए। जिम्मेदार लोगों की पहचान और उन पर उचित कार्रवाई होनी चाहिए। कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत मई 2026 में CJI सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद हुई थी। इसे सोशल मीडिया पर बनाया गया। देखते ही देखते लाखों फॉलोअर्स बढ़ गए।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच 15 जनवरी को वकील संजय दुबे की दिल्ली हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता सीनियर वकील का दर्जा पाना चाहता था। जस्टिस बागची ने सवाल किया कि क्या सीनियर एडवोकेट का टैग सिर्फ एक स्टेटस सिंबल है या न्याय व्यवस्था में भागीदारी का एक जरिया। CJI सूर्यकांत ने तब कहा था, कॉकरोच की तरह बहुत से युवा ऐसे हैं, जिन्हें इस पेशे में रोजगार नहीं मिल रहा है। वे सोशल मीडिया और RTI एक्टिविज्म बन रहे हैं। हजारों लोग ऐसे हैं जो काले चोगे पहनकर घूम रहे हैं, लेकिन उनकी डिग्रियों पर गंभीर संदेह है। बेंच ने यह भी कहा था कि दुनिया में हर कोई सीनियर बनने के योग्य हो सकता है, लेकिन याचिकाकर्ता इसके हकदार नहीं हैं।

MP-राजस्थान समेत 5 राज्यों में बारिश का अलर्ट :जम्मू-कश्मीर में बाढ़, 23 मौतें

वैष्णोदेवी-अमरनाथ यात्रा रुकी; यूपी के गांवों में मगरमच्छ घुसे

»नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर

उत्तर भारत में बारिश का दौर जारी है। 5 राज्यों में सामान्य से भारी बारिश का अलर्ट है। राजस्थान के 4 जिलों में ऑरेंज, बाकी सभी में यलो अलर्ट है। मध्य प्रदेश के कई जिलों में 24 से 48 घंटे में भारी से अतिभारी बारिश का अलर्ट है।

उत्तर प्रदेश में 10 दिन से हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। शारदा नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। किनारों पर बसे गांवों में पानी घुस गया है। हालात ऐसे हैं कि सड़कों और खेतों में मगरमच्छ दौड़ते दिखाई दे रहे हैं।

उधर, जम्मू-कश्मीर के पुंछ, राजौरी और डोडा जिलों में 19 जुलाई से बारिश जारी है। इसके चलते नदियां उफान पर हैं। बाढ़ का पानी घरों-दुकानों में घुस गया है।

तीन दिनों में 23 लोगों की मौत हो गई है। अमरनाथ, वैष्णो देवी, शिव खोड़ी और माचिल देवी यात्रा 4 दिन से रुकी हुई है। असम में बाढ़ प्रभावित शिवसागर में राहत सामग्री गिराई जा रही है।

असम में बाढ़ की स्थिति अभी भी गंभीर है और 16 जिलों - गोलाघाट, कामरूप, होजई, डिब्रूगढ़, बिश्वनाथ, धेमाजी, सोनितपुर, उदलगुरी, नागांव, चराइदेव, कामरूप (एम), जोरहाट, के 5.64 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। गुजरातः दक्षिण गुजरात में भारी बारिश के कारण वलसाड में भीषण जलभराव हो गया है। एनडीआरएफ को तैनात कर बाढ़ का अलर्ट जारी कर दिया गया है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में बारिश के कारण गौरीकुंड से करीब एक किलोमीटर आगे छोड़ी क्षेत्र में भूस्खलन हुआ। चट्टानें और मलबा केदारनाथ पैदल मार्ग पर आ गिरने से रास्ता पूरी तरह बंद हो गया।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि भूस्खलन की सूचना मिलते ही केदारनाथ जा रहे श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया गया। उनकी सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने यात्रा फिलहाल स्थगित कर दी है। जम्मू-कश्मीर के डोडा में लगातार बारिश के चलते सड़क धंसने से बटोटे-किश्तवार नेशनल हाईवे -244 पर ट्रैफिक अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। यूपी में पिछले 10 दिनों से हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। लखीमपुर खीरी में शारदा नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है।

किनारों पर बसे गांवों में पानी घुस गया है। हालात ऐसे हैं कि सड़कों और खेतों में मगरमच्छ दौड़ते दिखाई दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने आज भी कई जिलों में भारी बारिश, गरज-चमक और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। पूरे प्रदेश में अगले 5 दिनों तक मानसून सक्रिय रहने का अनुमान है। रायपुर में सोमवार रात से लगातार बारिश हो रही है।

कश्मीर के अनंतनाग में आतंकी हमला, हेड कॉन्स्टेबल की मौत :अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा में तैनात थे

लश्कर से जुड़े आतंकी संगठन ने जिम्मेदारी ली

»श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग के लाल चौक इलाके में बुधवार को आतंकियों ने पुलिस पर हमला किया। इसमें हेड कॉन्स्टेबल (35 साल) की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक दोपहर करीब 12:30 बजे आतंकियों ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर अचानक फायरिंग की।

सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलियां चलीं। इस दौरान हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी जख्मी हो गए। उन्हें तुरंत सरकारी मेडिकल कॉलेज (GMC) अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हमले के बाद आतंकी भाग गए। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। जिस जगह फायरिंग हुई, वह शहर का

मुख्य बाजार है। यहां आम दिनों में भी काफी भीड़ रहती है। घटना के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे लाल चौक और आसपास के इलाके की घेराबंदी कर दी। अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर भेजे गए और आतंकियों की तलाश में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

इलाके में आने-जाने वाले सभी रास्तों पर नाकेबंदी कर वाहनों और लोगों की गहन जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि हमले में कितने आतंकी शामिल थे और फायरिंग के बाद वे किस दिशा में भागे। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (LoC) पर 17 जुलाई की रात संदिग्ध गतिविधि देख भारतीय सेना ने फायरिंग की। अधिकारियों के मुताबिक, तारकुंडी फॉरवर्ड इलाके में रात करीब 10 बजे सैनिकों ने कुछ संदिग्ध लोगों की गतिविधि देखी, जिसके बाद फायरिंग की गई।

ममता समर्थक विधायक को मार्शलों ने विधानसभा से बाहर किया:TMC बागी गुट के MLA को बोलने से रोका था

»कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा में बुधवार को बजट चर्चा के दौरान हंगामा हुआ। TMC विधायक कुणाल घोष को मार्शलों ने उठाकर सदन के बाहर निकाल दिया। कुणाल घोष ने TMC के बागी गुट के विधायक अखरुज्जमां का भाषण शुरू होते ही विरोध किया। वे अपनी सीट छोड़कर उनके सामने पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। इससे अखरुज्जमां अपना भाषण नहीं दे सके। सदन में शोर-शराबा और धक्का-मुक्की जैसी स्थिति बन गई।

स्पीकर बिमान बनर्जी ने कई बार उन्हें अपनी सीट पर लौटने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने नहीं माना। इसके बाद स्पीकर ने सादन के बाहर करवा दिया और पूरे दिन के लिए निलंबित कर दिया। इससे एक दिन पहले भी विधानसभा में विपक्ष की ओर से बोलने वाले सदस्यों की लिस्ट को लेकर विवाद हुआ था। इस घटनाक्रम ने टीएमसी विधायक दल के भीतर फ्लोर मैनेजमेंट और सदन में बोलने वाले सदस्यों के चयन को लेकर चल रही खींचतान को फिर सामने ला दिया। कुणाल घोष को बाहर निकाले जाने के बाद सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। 3 जून को टीएमसी में पहली बार बगावत की खबर सामने आई थी। TMC के 80

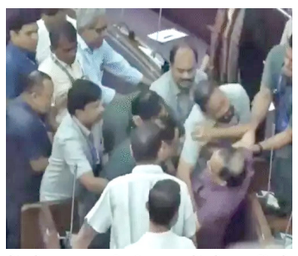

में से 58 बागी विधायकों ने पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना था। विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस को समर्थन पत्र दिया था।

इसमें मांग की गई थी कि ऋतब्रत को नेता विपक्ष घोषित किया जाए। स्पीकर ने मंजूरी दे दी थी। 22 जून को हुई प्रतिनिधि बैठक में नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और 30 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया था। टीएमसी के पास कुल 28 लोकसभा सांसद थे, जिसमें से 20 अलग हो गए हैं। अब लोकसभा में ममता के पास सिर्फ 8 सांसद बचे हैं। राज्यसभा की बात करें तो 13 में से 4 सांसद इस्तीफा दे चुके हैं यानी सिर्फ 9 राज्यसभा सांसद बचे हैं। विधानसभा की बात करें तो टीएमसी ने इस बार के चुनाव में 80 सीटें जीती थीं। इसमें से 59 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। ममता के पास सिर्फ 21 विधायक बचे हैं।

ललित मोदी 16 साल बाद भारत लौटेंगे :ED का जुर्माना रद्द

IPL का पैसा विदेश भेजने का केस; बोले- मैं लीग की भलाई चाहता था

»नई दिल्ली

IPL के संस्थापक ललित मोदी 16 साल बाद भारत लौटने की तैयारी में हैं। एक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने 16 जुलाई को IPL 2009 के दक्षिण अफ्रीका आयोजन से जुड़े FEMA मामले में फैसला सुनाया था। इसमें मोदी को राहत देते हुए ED के लगाए गए जुर्माने को रद्द कर दिया था।

फैसले के बाद ललित मोदी ने कहा कि अब उनकी भारत वापसी का रास्ता साफ हो गया है और वह इस साल के आखिर या अगले साल की शुरुआत में भारत लौट सकते हैं।

उन्होंने बताया कि उनकी बेटी अक्टूबर में बच्चे को जन्म देने वाली है, जिसके बाद वह भारत आने की योजना बना रहे हैं। यह मामला 2009 में IPL को भारत से दक्षिण अफ्रीका ले जाने से जुड़ा है। उस समय लोकसभा चुनाव के कारण सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट भारत से दक्षिण अफ्रीका शिफ्ट किया गया था। इसके आयोजन के लिए BCCI ने दक्षिण अफ्रीका में करीब 243.45 करोड़ रुपए भेजे थे।

बाद में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने आरोप लगाया कि यह रकम भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की पूर्व मंजूरी के बिना विदेश भेजी गई, जिससे विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) का उल्लंघन हुआ।

ED ने 2011 में नोटिस जारी किया और 2018 में ललित मोदी समेत BCCI के कुछ पूर्व अधिकारियों पर जुर्माना लगाया था। ललित मोदी ने कहा कि ट्रिब्यूनल ने ED की सबसे अहम दलील ही खारिज कर दी, जिससे पूरे मामले का आधार बदल गया।

उनके मुताबिक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने अपने फैसले में कहा कि दक्षिण अफ्रीका भेजी गई रकम 'करंट अकाउंट ट्रांजैक्शन' थी, न कि 'कैपिटल अकाउंट ट्रांजैक्शन'। इसलिए इसके लिए RBI की पहले से मंजूरी लेना जरूरी नहीं था।

ललित मोदी ने कहा, ट्रिब्यूनल ने यह भी माना कि वह BCCI की ओर से FEMA के तहत कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नहीं थे और न ही उनके पास वह वित्तीय अधिकार थे, जिनका ED ने दावा किया था। इससे 2009 के दक्षिण अफ्रीका IPL से जुड़े सबसे बड़े कानूनी मामले का अंत हो गया। ED ने 2018 में ललित मोदी पर 10.65 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था। इसके बाद उन्होंने इस आदेश के खिलाफ अलग-अलग अपील दायर की थीं। अब 16 जुलाई के फैसले में ट्रिब्यूनल ने उन आदेशों में बड़ा बदलाव करते हुए ललित मोदी समेत कई पक्षों को राहत दे दी।

ट्रिब्यूनल के इस फैसले से 2010 में भारत छोड़ने के बाद ललित मोदी के सामने मौजूद सबसे बड़ी कानूनी बाधाओं में से एक खत्म हो गई है। हालांकि यह फैसला सिर्फ IPL 2009 के FEMA मामले तक सीमित है। ED ने ललित मोदी के खिलाफ कई दूसरी जांचें भी शुरू की थीं। जब 2008 में IPL शुरू हुआ, तब टीवी पर मैच दिखाने के अधिकार (ब्रॉडकास्ट राइट्स) वर्ल्ड स्पोर्ट्स ग्रुप (WSG) को दिए गए थे।

संपादकीय

फिर असहाय-निरुपाय दिखी दिल्ली

कथित राजनीतिक दल काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के संसद चलो मार्च के समय प्रदर्शनकारियों ने जैसी हिंसा की, वह उनके अलावा उन सबको दिखी, जिन्हें केवल पुलिस की सख्ती दिखाई दी। इस संसद मार्च के दौरान हिंसा इसलिए हुई, क्योंकि भीड़ बेलगाम थी और उसमें छात्रों के साथ अराजक तत्व भी थे। इन तत्वों को मनमानी करने का अवसर इसलिए मिला, क्योंकि संसद मार्च का न तो कोई नेतृत्व करने वाला था और न ही भीड़ को निर्देशित करने वाला। जब दिल्ली की सड़कों पर हंगामा और हिंसा हो रही थी, तब सीजेपी के दो नेता केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात करने और उन्हें ज्ञापन देने में लगे हुए थे।

यह ज्ञापन देने में उन्हें चार घंटे से ज्यादा लग गए। जो नेता बचे थे, उनमें से एक बर्गर खाने चले गए और जो मौके पर थे, उनका इरादा भीड़ को लेकर येन-केन-प्रकारेण संसद के करीब तक पहुंचना था। वे लगभग सफल भी हो गए, लेकिन इस जबरिया कोशिश में पुलिसकर्मी और प्रदर्शनकारी, दोनों ही बड़ी संख्या में घायल हुए। इस दौरान जिस तरह दर्जनों वाहन क्षतिग्रस्त हुए, उससे यही पता चलता है कि भीड़ में हिंसा फैलाने वाले भी शामिल थे और इसकी तैयारी से आए थे। प्रदर्शनकारियों की भीड़ में ऐसे तत्व हों तो हिंसा से बचना संभव नहीं होता। यही दिल्ली में हुआ-बीते सात साल में तीसरी बार। जितना यह सही है कि सीजेपी के संसद मार्च के दौरान पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठी चार्ज किया, उतना ही यह भी कि भीड़ ने अराजकता का सहारा लिया और जमकर पथराव किया। स्पष्ट है कि पुलिस न तो भीड़ का अनुमान लगा सकी और न ही उनके इरादों का। कुछ ऐसा ही 2019-20 में शाहीन बाग धरने के समय हुआ था और 2021 में किसान आंदोलन और खासकर गणतंत्र दिवस पर उनकी ट्रैक्टर रैली के वक्त भी।

नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए के खिलाफ शाहीन बाग में एक मुख्य सड़क को घेरकर करीब सौ दिन तक धरना दिया गया था। इस धरने के कारण ही दिल्ली में तब भीषण दंगा हुआ, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राजधानी में थे। इस दंगे का पहला शिकार बने थे कांस्टेबल रतन लाल। इस दंगे में 50 से ज्यादा लोग मारे गए थे। इनमें एक आइबी कर्मी अंकित शर्मा भी थे। उनकी हत्या के आरोप में आम आदमी पार्टी के पार्षद रहे ताहिर हुसैन को हाल में दोषी ठहराया गया है। वही ताहिर, जिसे मीडिया के एक हिस्से के साथ अन्य अनेक ने निर्दोष होने का सर्टिफिकेट दे दिया था। ऐसे ही सर्टिफिकेट तब बांटे गए थे, जब किसान आंदोलन के दौरान 26 जनवरी को कथित किसानों ने दिल्ली में ट्रैक्टर रैली निकाली थी। इस रैली में शामिल अराजक ट्रैक्टर सवारों ने लाल किले पर धावा बोल दिया था। उस समय करीब सौ पुलिस वाले पीटे गए थे। तब भी अराजक भीड़ के सामने पुलिस और प्रशासन के साथ मोदी सरकार असहाय सी दिखी थी।

यह भी याद रखें कि शाहीन बाग धरने पर बैठे लोगों और किसान आंदोलनकारियों को हटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने भी कुछ नहीं किया था। जो किया भी था, वह समस्या बढ़ाने वाला रहा। उसने शाहीन बाग में धरनारत लोगों से बातचीत के लिए एक समिति गठित कर दी थी। इसी तरह तीन कृषि कानूनों की वैधानिकता जांचे बिना उनके अमल पर रोक लगा दी थी। इससे आंदोलनकारियों और उनके समर्थकों में संदेश गया कि उनका पक्ष सही है और फिर वे करीब एक साल तक दिल्ली को एक तरह से बंधक बनाकर बैठे रहे। वे तब लौटे, जब मजबूत मानी जाने वाली मोदी सरकार ने तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा कर दी। इस बार क्या होगा, कहना कठिन है, क्योंकि सीजेपी समर्थक अब भी जंतर-मंतर पर जुटे हैं। इसी के साथ पंजाब के किसान संगठनों को अचानक यह पता चला कि अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते में उनके हित की अनदेखी हो सकती है, इसलिए वे दिल्ली जाने को मचल उठे।

चूंकि संसद का सत्र चल रहा है, इसलिए विपक्ष को भी नीट पेपर लीक कांड के साथ अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरने का मौका मिल गया है। अब उसके पास एक नया मुद्दा सीजेपी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा का भी है। विपक्ष को यह मौका इसलिए मिला, क्योंकि पहले तो सरकार ने जंतर-मंतर पर दिए जा रहे धरने को कोई भाव नहीं दिया और जिस दिन संसद सत्र शुरू होने वाला था, उस दिन उसे यह याद आई कि सीजेपी नेताओं से बात करनी चाहिए। आखिर यह काम पहले और खासकर उस दिन क्यों नहीं हो सकता था, जब अनशन कर रहे लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से उठाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था?

इसमें कोई दो राय नहीं कि नीट पेपर लीक कांड ने छात्रों को उद्वेलित किया और सीजेपी को सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश की एक अवांछित टिप्पणी के बहाने कटाक्ष के तौर पर ही सही, खुद को राजनीतिक दल में तब्दील करने का मौका मिला, पर अब इस मौके को हर कोई भुनाने को तैयार है। सरकार इसका सामना कैसे करती है, यह वही जाने, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि वह हालात को भांपने में एक बार फिर चूकी। इसकी ही कीमत दिल्ली ने चुकाई। यदि सरकार हालात संभालने के लिए बीते दो दिन से जो कुछ कर रही है, वह पहले करती तो शायद दिल्ली के त्रस्त और अस्तव्यस्त होने की नौबत नहीं आती।

क्रांति वीर सरदारसिंह राणा प्राइमरी स्कूल नंबर 113 में पेरेंट्स मीटिंग हुई

»रिपोर्ट दिनेश भाई ठाकोर

सूरत के कतारगाम में कांति वीर सरदारसिंह राणा प्राइमरी स्कूल नंबर 113 में पेरेंट्स मीटिंग सफलतापूर्वक हुई। मीटिंग के दौरान स्टूडेंट्स के एकेडमिक डेवलपमेंट, रेगुलर अटेंडेंस, डिसिप्लिन, पढ़ाई में क्वालिटी और स्कूल और पेरेंट्स के बीच बेहतर कोऑर्डिनेशन पर डिटेल में चर्चा हुई। स्कूल प्रिंसिपल और टीचर्स ने पेरेंट्स को बच्चों के ऑल-राउंड डेवलपमेंट के लिए जरूरी गाइडेंस दी। पेरेंट्स ने भी अपने सुझाव और राय दी। स्कूल परिवार ने पेरेंट्स के सहयोग के लिए आभार जताया और भविष्य में भी स्टूडेंट्स के ब्राइट फ्यूचर के लिए मिलकर काम करने का कमिटमेंट जताया।

पूर्व ज़ोन-बी स्थित आदर्श निवासी विद्यालय के 31 छात्र, 54 छात्राओं तथा 15 स्टाफ सहित कुल 100 लोगों को सुरक्षित राहत केंद्र में पहुंचाया गया

सूरत शहर में भारी बारिश के चलते रेड अलर्ट : प्रशासन ने युद्धस्तर पर राहत एवं सुरक्षित स्थानांतरण अभियान चलाया

उधना और लिंबायत ज़ोन के निचले इलाकों से 9 नागरिकों को सुरक्षित स्थानांतरित कर सारोली नगर प्राथमिक विद्यालय में आश्रय दिया गया

»ब्यूरो रिपोर्ट :- जे. वी. टांक, पत्रकार, सूरत

सूरत, बुधवारः सूरत शहर में आज तड़के से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण मौसम विभाग द्वारा रेड अलर्ट जारी किया गया है। संभावित स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सूरत महानगरपालिका (SMC) और जिला प्रशासन युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्यों में जुटा हुआ है।

पूर्व ज़ोन-बी क्षेत्र स्थित आदर्श निवासी विद्यालय के 31 छात्र, 54 छात्राओं तथा 15 स्टाफ सदस्यों सहित कुल 100 लोगों को सुरक्षित रूप से निकट स्थित SMC राहत केंद्र में स्थानांतरित किया गया। वहीं उधना और लिंबायत ज़ोन के निचले इलाकों से 9 नागरिकों को सुरक्षित निकालकर सारोली नगर प्राथमिक विद्यालय में आश्रय उपलब्ध कराया गया।

लिंबायत ज़ोन के निचले क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सूरत महानगरपालिका ने लोगों से अपील की है कि आवश्यकता पड़ने पर वे SMC के राहत केंद्रों अथवा निकट स्थित ऊंचे एवं सुरक्षित स्थानों पर स्वयं भी स्थानांतरित हो जाएं। राहत केंद्रों में ठहराए गए नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए मेडिकल टीम द्वारा नियमित स्वास्थ्य जांच की जा रही है तथा उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

साइबर क्राइम से महिलाओं की कानूनी सुरक्षा

»आज का कानून - डॉ. टी.वी. राजपूत

आज के डिजिटल ज़माने में, इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया का इस्तेमाल ज़िंदगी का एक ज़रूरी हिस्सा बन गया है। टेक्नोलॉजी के विकास ने कई सुविधाएँ दी हैं, लेकिन इसके साथ ही साइबर क्राइम में भी काफ़ी बढ़ोतरी हुई है। खास तौर पर महिलाएँ साइबर क्राइम की ज़्यादा शिकार होती हैं। सोशल मीडिया पर परेशान करना, गंदे मैसेज भेजना, नकली प्रोफ़ाइल बनाना, पर्सनल फ़ोटो या वीडियो का गलत इस्तेमाल करना, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग और साइबर स्टॉकिंग जैसे क्राइम महिलाओं की सुरक्षा, इज़्ज़त और प्राइवेसी के लिए एक गंभीर चुनौती हैं। भारत सरकार ने ऐसे क्राइम से महिलाओं को कानूनी सुरक्षा देने के लिए कई कानूनी नियम लागू किए हैं।

साइबर क्राइम एक ऐसा क्राइम है जो कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट या दूसरे डिजिटल माध्यम से किया जाता है। महिलाओं के खिलाफ़ होने वाले बड़े साइबर क्राइम में नकली सोशल मीडिया अकाउंट बनाना, गंदे फ़ोटो या वीडियो भेजना, पहचान की चोरी, ऑनलाइन धमकियाँ, बदनामी, रिवेंज पोर्न, साइबर स्टॉकिंग और फाइनेंशियल फ्रॉड शामिल हैं। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट, 2000 महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक ज़रूरी कानून है। एक्ट के सेक्शन 66C के मुताबिक, किसी व्यक्ति की पहचान, पासवर्ड या डिजिटल सिग्नेचर का गैर-कानूनी तरीके से इस्तेमाल करना जुर्म है और इसके लिए तीन साल तक की जेल या जुर्माने का प्रावधान है। सेक्शन 66D के मुताबिक, ऑनलाइन फ्रॉड या झूठी

पहचान के ज़रिए किसी महिला को धोखा देना सज़ा का प्रावधान है। सेक्शन 66E के मुताबिक, किसी महिला की प्राइवेसी का उल्लंघन करके उसकी सहमति के बिना उसकी प्राइवेट इमेज या वीडियो भेजना जुर्म है। सेक्शन 67 और 67A के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक तरीके से अश्लील या सेक्शुअली एक्सप्लिसिट मटीरियल पब्लिश या ट्रांसमिट करने वाले व्यक्ति के लिए सख्त सज़ा का प्रावधान है।

इसके अलावा, इंडियन पीनल कोड, 2023 (BNS) के तहत भी महिलाओं को ज़रूरी सुरक्षा दी गई है। किसी महिला की इज़्ज़त का अपमान करना, ऑनलाइन स्टॉकिंग (साइबर स्टॉकिंग), धमकी देना, ब्लैकमेल करना, गलत जानकारी फैलाना या महिला की इज़्ज़त को नुकसान पहुंचाने वाला कंटेंट ब्रॉडकास्ट करना जैसे काम कानूनी जुर्म माने जाते हैं। ऐसे जुर्मों के लिए जेल और जुर्माने दोनों का प्रावधान किया गया है।

अगर कोई महिला किसी महिला के खिलाफ अश्लील कमेंट करता है, गंदे मैसेज भेजता है, फेक अकाउंट बनाकर उसे बदनाम करता है या फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, टेलीग्राम और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पर्सनल फोटो का गलत इस्तेमाल करता है, तो इसे साइबर क्राइम माना जाता है। ऐसे मामलों में महिलाओं को तुरंत कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार है।

साइबर क्राइम की शिकार महिला अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन या साइबर क्राइम सेल में शिकायत दर्ज करा सकती है। इसके अलावा, भारत सरकार के नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर ऑनलाइन भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। साइबर फ्रॉड या तुरंत मदद के लिए 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क किया जा सकता है। शिकायत दर्ज कराते समय स्क्रीनशॉट, मैसेज, ई-मेल, URL लिंक और दूसरे डिजिटल सबूत संभालकर रखना बहुत जरूरी है।

महिलाओं को साइबर क्राइम से बचने के लिए कुछ सावधानियां भी बरतनी चाहिए। मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करें, किसी को OTP या बैंकिंग डिटेल्स न दें, अनजान लिंक पर क्लिक न करें, सोशल मीडिया प्रोफाइल प्राइवेट रखें, अनजान लोगों के साथ पर्सनल जानकारी शेयर न करें और संदिग्ध अकाउंट को तुरंत ब्लॉक करके रिपोर्ट करें। आखिर में, यह कहा जा सकता है कि साइबर क्राइम महिलाओं की सुरक्षा और इज़्ज़त के लिए एक गंभीर चुनौती हैं। हालांकि, भारत का इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट, 2000 और इंडियन ज्यूडिशियल कोड, 2023 महिलाओं को पूरी कानूनी सुरक्षा देते हैं। महिलाओं को अपने कानूनी अधिकारों के बारे में पता होना चाहिए और साइबर क्राइम के खिलाफ बिना डरे शिकायत करनी चाहिए, ताकि दोषियों को सज़ा मिल सके और डिजिटल दुनिया ज़्यादा सुरक्षित हो सके।

सूरत मनपा प्रशासन ने निचले इलाकों का दौरा कर बारिश की स्थिति का लिया जायजा

मेयर, स्थायी समिति अध्यक्ष और नगर आयुक्त ने उधना, आज़ादनगर-रसूलाबाद, भीमराड़ तथा भेदवाड़ खाड़ी क्षेत्र का निरीक्षण किया

मनपा अधिकारियों को मैदान में लगातार मौजूद रहकर बारिश की स्थिति पर नजर रखने तथा राहत एवं बचाव कार्य त्वरित और प्रभावी ढंग से करने के निर्देश

»ब्यूरो रिपोर्ट :- जे. वी. टांक, पत्रकार, सूरत

सूरत, बुधवारः सूरत में लगातार हो रही भारी बारिश और मौसम विभाग द्वारा जारी रेड अलर्ट के बीच मेयर श्रीमती मायाबेन मावाणी, स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री राजन पटेल तथा नगरसेवकों ने उधना क्षेत्र के प्रमुख पार्क, अठवा ज़ोन तथा आज़ादनगर–रसूलाबाद के निचले इलाकों का दौरा कर बारिश की स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को तत्काल राहत कार्य तेज़ करने, आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा प्रभावित नागरिकों को शीघ्रता से सुरक्षित शेल्टर होम में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए।

वहीं नगर आयुक्त श्री एम. नागराजन ने भी वर्षा की स्थिति को देखते हुए उधना ज़ोन के उधना-सचिन मुख्य मार्ग, भेदवाड़ खाड़ी, प्रमुख पार्क और चौंसठ जोगणी माता मंदिर क्षेत्र तथा अठवा ज़ोन के भीमराड़ मेट्रो स्टेशन रोड और खाटूश्याम मंदिर रोड का निरीक्षण किया। उन्होंने संभावित बारिश की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन की तैयारियों की समीक्षा की और मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने विशेष रूप से मनपा अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे लगातार फील्ड में मौजूद रहकर वर्षा की स्थिति पर सतत निगरानी रखें तथा आवश्यकता पड़ने पर राहत एवं बचाव कार्यों को त्वरित, प्रभावी और व्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों की सुरक्षा में किसी प्रकार की कमी न रहे।

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और RPF द्वारा सूरत रेलवे स्टेशन पर बाल सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित

यात्रियों, अभिभावकों और बच्चों से बाल विवाह, बाल मजदूरी, बाल तस्करी, भीख मंगवाने तथा संकटग्रस्त बच्चों की जानकारी मिलने पर 1098 एवं RPF/GRP से तुरंत संपर्क करने की अपील

»ब्यूरो रिपोर्ट :- जे. वी. टांक, पत्रकार, सूरत

सूरत, बुधवारः चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 और रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के संयुक्त तत्वावधान में सूरत रेलवे स्टेशन परिसर में बाल सुरक्षा को लेकर जनजागरूकता अभियान आयोजित किया गया।

इस अभियान में चाइल्ड हेल्पलाइन के दीपक जायसवाल, दिव्या महाकाल, सुपरवाइजर रितल डामोर, केस वर्कर खुशबू चौधरी तथा RPF के उपनिरीक्षक श्री आनंद गणपत तिप्पे, एएसआई श्री पांडे और दक्षाबेन के सहयोग से यात्रियों, अभिभावकों और बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 की विभिन्न सेवाओं तथा बच्चों के कल्याण हेतु संचालित सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन परिसर का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया गया कि कोई बच्चा भीख मांगते हुए, अपने परिवार से बिछड़ा हुआ या किसी अन्य जोखिमपूर्ण स्थिति में तो नहीं है। यात्रियों और अभिभावकों को यात्रा के दौरान बच्चों पर विशेष ध्यान रखने, उन्हें अकेला न छोड़ने तथा अजनबी व्यक्तियों से सतर्क रहने की सलाह दी गई। साथ ही बाल विवाह, बाल मजदूरी, बाल तस्करी, बच्चों से भीख मंगवाने, परित्यक्त अथवा किसी भी प्रकार के संकटग्रस्त बच्चों की जानकारी मिलने पर तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या RPF/GRP से संपर्क करने की अपील की गई।

सूरत शहर में लगातार बारिश के चलते रेड अलर्ट : मनपा प्रशासन युद्धस्तर पर जल निकासी और राहत कार्य में जुटा

निचले इलाकों में SDRF और NDRF की दो टीमें स्टैंडबाय, अतिरिक्त दो टीमें भी बुलाई गईं : नगर आयुक्त एम. नागराजन

प्रशासन ने सभी एहतियाती कदम उठाए हैं, नागरिक घबराएं नहीं और रेड अलर्ट के दौरान सावधानी बरतते हुए सहयोग करें

»ब्यूरो रिपोर्ट :- जे. वी. टांक, पत्रकार, सूरत

सूरत, बुधवारः सूरत शहर में आज तड़के से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है। संभावित स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सूरत महानगरपालिका और जिला प्रशासन द्वारा युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य किए जा रहे हैं।

नगर आयुक्त श्री एम. नागराजन ने बताया कि सुबह से ही SMC के अधिकारी और कर्मचारी विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद रहकर जल निकासी का कार्य तेज़ी से कर रहे हैं। निचले इलाकों से पानी की शीघ्र निकासी के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं।

रेड अलर्ट को देखते हुए पहले से स्टैंडबाय पर मौजूद SDRF और NDRF की दो टीमों के अलावा दो अतिरिक्त टीमें भी मंगाई गई हैं। इन सभी टीमों को जलभराव की आशंका वाले संवेदनशील और निचले क्षेत्रों में तैनात किया गया है तथा वे पूरी तरह अलर्ट मोड में कार्य कर रही हैं।

श्री नागराजन ने बताया कि भेदवाड़ खाड़ी क्षेत्र में पानी का स्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंचने के कारण जोखिम वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर शेल्टर होम में स्थानांतरित किया जा रहा है। साथ ही पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से लगातार नागरिकों को सतर्क रहने की अपील की जा रही है।

बारिश की स्थिति को देखते हुए BRTS और सिटी बस सेवाओं के मार्गों की लगातार निगरानी की जा रही है। आवश्यकता के अनुसार फिलहाल शहर की लगभग 5 बस रूटों पर सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं, जबकि अन्य मार्गों पर स्थिति के अनुसार संचालन किया जा रहा है।

नगर आयुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि जब तक अत्यंत आवश्यक न हो, तब तक घरों या सुरक्षित स्थानों पर ही रहें तथा विशेष रूप से बच्चों का ध्यान रखें। किसी भी प्रकार की आपात स्थिति या कठिनाई होने पर नागरिक तुरंत SMC की हेल्पलाइन अथवा इमरजेंसी नंबर पर संपर्क करें।

उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जा चुके हैं, इसलिए नागरिकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, रेड अलर्ट के दौरान जान-माल की सुरक्षा के लिए सभी लोग सतर्क रहें और प्रशासन का पूरा सहयोग करें।

इंग्लैंड से हार के बाद शुभमन के निशाने पर आये कोच गंभीर और चयनकर्ता

-बढ़ सकती हैं गंभीर से दूरियां

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद जिस प्रकार से खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर नाराजगी जतायी है। उससे शुभमन ने एक प्रकार से चयनकर्ताओं और कोच पर निशाना साधा है। उनका नाराजगी विशेष रूप से टीम चयन और खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर थी, जिसने भारतीय क्रिकेट में एक नई बहस शुरु हो गयी है।

शुभमन का कहना है कि जब एक खिलाड़ी तीन मैचों की सीरीज भी पूरी नहीं खेल पा रहा है, तो ऐसे में आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए टीम इंडिया की तैयारी कैसे हो पाएगी? ये बयान सीधे तौर पर चयनकर्ताओं पर सवाल खड़े करता है कि उन्होंने पूरी तरह से फिट नहीं होने वाले खिलाड़ियों को किस प्रकार से शामिल किया है ?

इस मामले में कोच गंभीर भी फंसे हुए हैं क्योंकि चयन प्रणाली में उनकी भी अहम भूमिका रहती है। टीम चयन में गंभीर की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है क्योंकि सभी जानते हैं कि उनकी पसंद के खिलाड़ियों को ही टीम में शामिल किया जाता है। यही कारण है कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ उनके मतभेद की खबरें आती रहती हैं। शुभमन को भी गंभीर की पसंद पर ही कप्तानी मिली थी पर इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद शुभमन का बयान से साफ हैं कि वह गंभीर के फैसलों से सहमत नहीं हैं। शुभमन का मानना है कि अनफिट खिलाड़ियों के चयन के कारण ही टीम सीरीज में हारी है।

सीरीज शुरू होने से पहले ही टीम इंडिया के खिलाड़ियों के चोटिल होने का सिलसिला शुरू हो गया था। अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और नितीश रेड्डी दौरे से पहले ही चोटित होने के कारण बाहर हो गये। वहीं एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत होते ही हर्षित राणा और उसके बाद वाशिंगटन सुंदर व अंत में जसप्रीत बुमराह भी फिटनेस से जुड़े मामलों के कारण पूरी सीरीज नहीं खेल पाये। लगातार चोटिल हो रहे खिलाड़ियों के कारण टीम इंडिया का संयोजन बुरी तरह से डगमगा गया जिससे उसे अपनी रणनीति में लगातार बदलाव करना पड़ा।

सिराज अब पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी निभा रहे

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अब पुलिस की वर्दी में नजर आये हैं। वह खेल से मिली छुट्टी का उपयोग अपनी पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी निभाकर कर रहे हैं। सिराज को उनके शानदार प्रदर्शन के कारण तेलंगाना पुलिस में डीएसपी का पद मिला है। इसी जिम्मेदारी को निभाने वह राज्य के पुलिस महानिदेशक सी वी आनंद से मिले। इस मुलाकात के दौरान सिराज ने पुलिस महानिदेशक को भारतीय क्रिकेट टीम की एक जर्सी भी भेंट की, जो अब चर्चा का विषय बन गई है। यह घटना न केवल उनके दोहरे व्यक्तित्व को दर्शाती है, बल्कि एक राष्ट्रीय खिलाड़ी के तौर पर उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों को भी उजागर करती है। जिसके तहत वह पुलिस अधिकारी के तौर पर काम करने मैदान में उतरे हैं। तेलंगाना पुलिस में डीएसपी के रूप में उनकी उपस्थिति राज्य पुलिस बल के लिए भी गर्व का विषय है और निश्चित रूप से युवा पीढ़ी को खेल के साथ-साथ नागरिक सेवा में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। टीम इंडिया से मिली छुट्टी के बावजूद सिराज घर में खाली नहीं बैठे, बल्कि उन्होंने अपनी पुलिस विभाग की जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी। सिराज का एक तरफ देश के लिए क्रिकेट खेलना और दूसरी तरफ तेलंगाना पुलिस में डीएसपी के तौर पर अपनी सेवाएं देना, निश्चित रूप से देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है।

कुलदीप को अवसर नहीं मिलने का कारण शुभमन ने बताया

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में एक भी मुकाबला खेलने का अवसर नहीं मिला। यहां तक कि लॉर्ड्स में खेले गए निर्णायक तीसरे एकदिवसीय में भी उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली जबकि मैच के दौरान स्पिनरों को काफी सहायता मिली। इसी को लेकर कप्तान शुभमन गिल ने सफाई दी है शुभमन ने कहा कि शुरुआती दोनों एकदिवसीय में पिच से स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं मिली। इसी कारण टीम प्रबंधन ने अतिरिक्त स्पिनर खिलाने की जगह पर तेज गेंदबाजों पर भरोसा जताया था। गिल ने कहा, पहले दो मैचों में हमने देखा कि पिच स्पिनरों के लिए ज्यादा सहायक नहीं थी। जब स्पिनर गेंदबाजी करते थे तो हमें रक्षात्मक फील्ड लगानी पड़ती थी, जबकि तेज गेंदबाजों के साथ विकेट मिलने की संभावना ज्यादा दिख रही थी। इसी कारण से कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिली।

लॉर्ड्स में हुए मैच को लेकर शुभकन ने कहा कि मुकाबला आगे बढ़ने के साथ विकेट धीमा हो गया और बाद में स्पिन गेंदबाजी ज्यादा प्रभावी साबित हो सकती थी। उन्होंने अपनी गलती मानते हुए कहा, अब देखें तो लगता है कि स्पिनर बेहतर विकल्प हो सकता था। जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तब ऐसा नहीं लग रहा था कि विकेट इतना धीमा होगा, लेकिन दूसरी पारी में पिच काफी धीमी हो गई। भारत की यह रणनीति मैदान पर सफल नहीं रही। टीम के चारों तेज गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए और महत्वपूर्ण विकेट लेने में नाकाम रहे।कुलदीप ने अपना पिछला एकदिवसय जून में अफगानिस्तान के खिलाफ लखनऊ में खेला था, जिसमें उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। कुलदीप यादव का इंग्लैंड में रिकॉर्ड काफी सम्मानजनक रहा है। उन्होंने यहां अब तक 10 वनडे मुकाबले खेले हैं, जिनमें 15 विकेट लिए हैं। भारतीय टीम अब भारत अब सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज खेलेगी और देखना होगा कि उसमें कुलदीप को अवसर मिलत है या नहीं।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वापसी कर सकते हैं जडेजा और बुमराह

हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण सुंदर को नहीं मिलेगी जगह

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) शीघ्र ही श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित कर सकता है। भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलने हैं। भारतीय टीम 4 अगस्त को श्रीलंका के लिए रवाना होगी और पहला टेस्ट मुकाबला गॉल में खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया एक चार दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलेगी, जिससे खिलाड़ियों को हालातों के अनुरुप ढ़लने का अवसर मिल जाएगा।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इस टेस्ट सीरीज से टीम में वापसी की पूरी उम्मीदें हैं। जडेजा को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में टीम में शामिल नहीं किया गया था, जबकि जसप्रीत बुमराह चोट के कारण लंबे समय से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे। टीम चयन के दौरान कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी नजरें रहेगी। वहीं स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर दूसरे मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। ऐसे में उन्हें शामिल किये जाने क सवाल ही नहीं है। चयनकर्ता तो हर्ष दुबे को टीमें बनाये रख सकते हैं या फिर स्पिन आक्रमण को मजूबत करने के लिए ऑफ-स्पिनर सारांश जैन को अवसर दे सकते हैं। इसके अलावा उभरते हुए गेंदबाज मानव सुथार के अलावा अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव को भी टीम में बरकरार रखे जाने की संभावना है।

वहीं तेज गेंदबाज के तौर पर मोहम्मद सिराज, गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा की जगह टीम में बरकरार रहना तय है। दूसरी ओर बल्लेबाजी क्रम में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को देखते हुए बेहद अहम है। भारतीय टीम का लक्ष्य श्रीलंका के खिलाफ दोनो मैच जीतकर अंक तालिका में अपनी स्थिति में सुधार करना रहेगा।

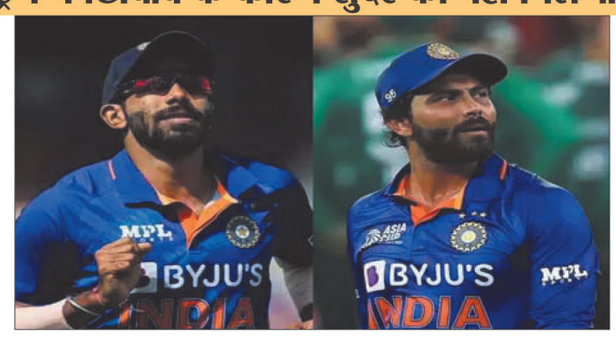

मेसी बोले, हार से उबरने में लगेगा लंबा समय

रियो डि जिनेरियो । अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी फीफा विश्वकप फुटबॉल फाइनल में मिली बाहर के बाद से ही सदमे में हैं। खिताबी मुकाबले में स्पेन के हाथों मिली हार से उनका लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया है। मेसी का कहना है कि इस बड़े झटके से उबरने में उन्हें लंबा समय लगेगा। इस टूर्नामेंट में मेसी ने बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम को फाइनल तक पहुंचाया था पर खिताबी मुकाबले में वह अपने नाम के अनुरुप नहीं खेल पाये। वहीं स्पेन ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय में निर्णायक गोल दागकर अपनी टीम को जीत दिला दी। मेसी के अनुसार, यह दर्द इतना गहरा है कि इसे भरने में वाकई लंबा समय लगेगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा पर मैं उन सभी अच्छी यादों को भी संजोकर रखूंगा। उन्होंने अपनी पोस्ट में उन मैचों का जिक्र किया जिन्हें टीम ने अपनी पूरी ताकत लगाकर जीता था और सफलता के उन यादगार पलों को भी याद किया जो हमेशा टीम के साथ रहेंगे। मेसी ने पूरे देश के समर्थन के लिए भी आभार जताया है, जिसने टीम की कड़ी मेहनत और प्रयासों को सराहा है। गौरतलब है कि मेसी का 2030 में होने वाले अगले विश्व कप में खेलने की संभावना नहीं है हालांकि उन्होंने अभी तक अपने संन्यास को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

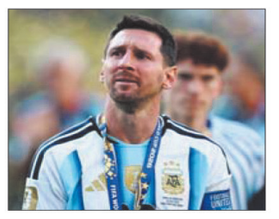

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए सीए ने घोषित की टीम

मेलबर्न । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इसी सीरीज से नियमित कप्तान पैट कमिंस के अलावा जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और नाथन लियोन की भी वापसी होगी। इन सभी की वापसी से ऑस्ट्रेलियाई टीम की गेंदबाजी मजबूत होगी। पिछले कुछ समय से फिट नहीं होने के कारण ही ये चारों गेंदबाज बहुत कम अवसरों पर ही एक साथ खेल पाए थे। इससे पहले ये सभी आईपीएल में नजर आये थे। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने इन गेंदबाजों की वापसी पर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वापसी करने वाले सभी गेंदबाज खेलने के लिए पूरी तरह से फिट हैं। बेली ने कहा, हम अभी से अंतिम ग्यारह को तय नहीं कर रहे हैं पर हम जानते हैं कि इस दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए हमारे पास एक बेहद मजबूत टीम है। मुझे पूरा भरोसा है कि भविष्य में भी यह चारों गेंदबाज एक साथ खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

स्वदेश पहुंची स्पेन टीम का भव्य स्वागत, विक्ट्री परेड में उमड़े प्रशंसक

मैड्रिड । फीफा विश्वकप फुटबॉल खिताब जीतकर स्वदेश लौटी स्पेन टीम का जबरदस्त स्वागत हुआ है। टीम की एक झलक पाने के लिए प्रशंसक सड़कों पर उमड़ पड़े। टीम के खिलाड़ियों और उसके कोचिंग स्टाफ ने मैड्रिड पहुंचने पर शाही परिवार और फिर प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज से मुलाकात की। सांचेज ने कहा, ''आपके खेल की शानदार शैली, बेहतरीन प्रयास और जीत के लिए बहुत-बहुत बधाई। हमें आपको खेलते हुए देखकर वाकई बहुत आनंद आया।'' इसके बाद पूरी टीम एक खुली छत वाली बस में सवार होकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करने के लिए मैड्रिड की सड़कों पर निकल गई। इस बस पर लिखा था ''सितारे एक साथ चमकते हैं'' और उस पर खिलाड़ियों की तस्वीरें भी लगी हुई थीं।

खिलाड़ियों के हाथों में विश्व कप ट्रॉफी थी और उन्होंने जो शर्ट पहन रखी थी उस पर स्पेनिश में लिखा था 'सोमोस कैम्पियोनेस' यानी 'हम चैंपियन हैं।' खिलाड़ी पूरी परेड के दौरान नाचते-गाते और प्रशंसकों से बातचीत करते रहे। वहीं स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने परेड शुरू होने से पहले कहा, ''ऐसे जोशीले और समर्पित प्रशंसकों वाले एक अद्भुत देश का प्रतिनिधित्व करना भावनात्मक और गौरवपूर्ण अनुभव रहा है। हम बहुत उत्साहित हैं।'' यह परेड प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास मोनक्लोआ पैलेस के पास से शुरू हुई और मैड्रिड की सड़कों से होते हुए सिबेल्स स्क्वायर तक गई, जहां उन्होंने एक स्वागत समारोह हमें हिस्सा लिया और अधिकारियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि इसमें एक लाख से अधिक लोग थे।

युवराज ने चयन पर उठाए सवाल, यशस्वी को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने पर जतायी चिन्ता

-सीनियर खिलाड़ियों के लिए साफ रोडमैप जारी करें

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के चयन मापदंडों पर सवाल उठाये हैं। उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने और अनुभवी खिलाड़ियों के लिए एक स्पष्ट रोडमैप की कमी को लेकर अपनी चिंताएं साझा की हैं। युवराज ने कहा कि आगामी विश्व कप से पहले टीम प्रबंधन को इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत है। युवराज ने कहा कि वह विशेष रूप से युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल लेकर चिन्ता जताती है। युवराज के अनुसार यश्स्वी ने हाल के अपने तीन एकदिवसीय मैचों में दो शानदार शतक लगाये हैं। इसके बाद भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, यशस्वी को खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। ऐसे में अगर विश्व कप से पहले उन्हें खेलने का पर्याप्त समय नहीं मिलता और टीम में शामिल किया जाता है तो उन पर अचानक ही दबाव बन जाएगा। पिछले महीने चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक बनाने के बावजूद जायसवाल को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज की फॉर्म और टीम में उनकी जगह को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं। इस पूर्व शानदार ऑलराउंडर ने जोर देकर कहा कि अगर जायसवाल टीम की विश्व कप योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें बड़े टूर्नामेंट से पहले और अधिक मैच खेलने की आवश्यकता है जिससे वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त कर सकें और दबाव का सामना करना सीख सकें। युवराज ने 2019 विश्व कप का उदाहरण देते हुए चेतावनी दी, जहां चोट के कारण दो युवा खिलाड़ियों को बिना अधिक अनुभव के टीम में शामिल करना पड़ा था, और ऐसी पुरानी गलतियों को दोहराने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा, अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है, तो आप क्या करेंगे? हमने पहले भी ऐसा होते देखा है। युवराज ने अनुभवी खिलाड़ियों के प्रति प्रबंधन के दृष्टिकोण पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों को एक साफ रोडमैप देना चाहिए, चाहे वे टीम की दीर्घकालिक योजनाओं का हिस्सा हों या न हों। युवराज का मानना है कि आदर्श रूप से, टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का एक संतुलित मिश्रण होना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर रोहित शर्मा और विराट कोहली विश्व कप के लिए आपकी योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें अभी बताएं और उनकी जगह पक्की करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उम्र और फॉर्म को लेकर बाहरी चर्चाएँ तो होती रहेंगी पर प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों के साथ आंतरिक स्थिति बिल्कुल स्पष्ट रखनी चाहिए। युवराज ने ईमानदारी की वकालत करते हुए कहा, और अगर कोई आपकी योजनाओं में नहीं है, तो उनसे ईमानदारी से बात करें। यह एक मुश्किल फैसला होगा, बाहर से शायद यह बुरा लगे, लेकिन वे इस बात की तारीफ करेंगे कि आपने उनसे सीधे बात की। उनका मानना है कि इस तरह की स्पष्ट और सीधी बातचीत खिलाड़ियों में विश्वास पैदा करती है और उन्हें अपने भविष्य के बारे में फैसला लेने में मदद करती है, जो अंततः टीम के हित में ही होता है।

न्यूजीलैंड के स्मिथ ने जीता जून माह का आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के जून माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ मिला है। स्मिथ को ये अवार्ड इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के लिए दिया गया है। इस सीरीज में कीवी टीम ने 2-1 से जीत हासिल की थी। अवार्ड की दौड़ में भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल और बांग्लादेश के ऑलराउंडर थमोसाद्देक हुसैन भी थे। स्मिथ ने इंग्लैंड दौरे पर खेली गई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में अपनी सधी हुई गेंदबाज से मेजबान टीम को कोई अवसर नहीं दिया था। उन्होंने 23 के शानदार औसत से 16 विकेट लिए। ये सीरीज में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे अधिक विकेट थे। अवार्ड हासिल करने के बाद स्मिथ ने एक बयान में अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, यह वाकई बहुत विशेष है। टीम के लिए इंग्लैंड का दौरा शानदार रहा और यह बहुत अच्छी बात है। स्मिथ ने आगे कहा कि वह आमतौर पर व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए नहीं खेलते हैं, लेकिन यह पहचान मिलना अच्छा लगता है और इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि मैंने सीरीज जीतने में योगदान दिया।

अभिषेक पोरेल रेप मामले में फंसे, गिरफ्तारी के आदेश जारी

कोलकाता । कोलकता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल की ओर से घरेल क्रिकेटर खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल की गिरफ्तारी का आदेश दिया है। अभिषेक पर कथित तौर पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया है। इस पूरे मामले में हाई होर्ट ने अभिषेक के सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को जब्त करने के साथ उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया है। ऐसे में अब अभिषेक का करियर भी खतरे में नजर आ रहा है। अभिषेक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के लिए जाने जाते हैं। कोर्ट ने मोगरा पुलिस को शिकायतकर्ता की तस्वीरों के कथित तौर पर वायरल होने से रोकने के लिए पोरेल के सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को भी जब्त करने के निर्देश दिये हैं। इस मामले में पीड़ित युवती का आरोप है कि क्रिकेटर ने शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए और उनके अंतरंग पलों को रिकॉर्ड किया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि, 卐याचिकाकर्ता से एक पेन ड्राइव जब्त किया गया है। पेन ड्राइव में कुछ ऐसी चीजें मिली ऐसी हैं, जिससे साबित होता है कि पोरेल के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को जब्त करने के लिए उन्हें गिरफ्तार किया जाना जरूरी है जिससे उसमें मौजूद डेटा दूसरों के साथ साझा नहीं किया जा सके।卐 एक रिपोर्ट के अनुसार पोरेल ने कथित तौर पर जनवरी 2023 में शिकायतकर्ता से संपर्क किया था, जिसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। 23 साल के क्रिकेटर पर आरोप है कि जब उनके माता-पिता बाहर थे तब वह महिला को मनकुंडू स्थित अपने फ्लैट पर ले गए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पोरेल ने उनके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए हालांकि, बाद में दोनों के परिवारों ने शादी पर चर्चा की थी, लेकिन बाद में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसे पता चला कि पोरेल के अन्य महिलाओं के साथ भी शारीरिक संबंध थे।

बांग्लादेश के कप्तान लिटन पर कार्रवाई कर सकती है बीसीबी

ढ़ाका । बांग्लादेश क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान लिटन दास की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। लिटन अपनी चीन यात्रा के कारण निशाने पर हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने उन्हें अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए तय नियमों के उल्लंघन के आरोप में अनुशासन समिति के सामने पेश होने को भी कहा हहै। इस क्रिकेटर पर आरोप है कि कि चोट से उबरने के दौरान ही वह बोर्ड को बताये बिन ही चीन यात्रा पर गये थे। लिटन को 20 जुलाई को अपनी पिंडली (काफ) की चोट की विशेष जांच के लिए सिंगापुर जाना था। इसी चोट के चलते वह हालिया जिम्बाब्वे टी20 सीरीज और आगामी लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2026 से भी बाहर हो गए थे। हालांकि, इन महत्वपूर्ण चिकित्सा निर्देशों और टूर्नामेंट से अनुपस्थिति के बाद वह बिना किसी पूर्व सूचना या अनुमति के चीन गये थे। केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए बोर्ड की अनुमति के बिना विदेश यात्रा करना स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन माना जाता है और बीसीबी इसे किसी भी कीमत पर सहन करने के पक्ष में नहीं है। बोर्ड अब उनके द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण और प्रस्तुत की गई मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर ही आगे का निर्णय लेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीबी के एक आंतरिक सूत्र ने इस मामले की पुष्टि करते हुए कहा, लिटन चीन गए थे, जिसे बोर्ड ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। बोर्ड ने उन्हें बुलाकर यह जानने का प्रयास किया कि वह किसकी अनुमति से और किस उद्देश्य से चीन गए थे। इस घटना के लिटन ने बीसीबी को अपना जवाब दे दिया है। माना बीसीसबी की मेडिकल कमेटी लिटन दास के दावों और उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए चिकित्सा दस्तावेजों की गहन जांच करेगी। इस जांच रिपोर्ट के आने के बाद ही बोर्ड यह तय करेगा कि उनके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी या नहीं।

क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो छोटी टीमों को बड़ी टीमों से मुकाबलों का अवसर मिले : अश्विन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि यदि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो उभरती हुई टीमों को नियमित अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने का अवसर मिले। अश्विन के अनुसार हाल में आईसीसी ने जिस प्रकार से टीमों की संख्या बढ़ाई है उसका तब तक फायदा नहीं मिलेगा जब तक कि इन छोटी टीमों को बड़ी टीमों के खिलाफ पर्याप्त अवसर न मिले।

आईसीसी ने कुछ समय पहले ही एकदिवसीय विश्व कप और 2028 के टी-20 विश्व कप के प्रारूप में बड़े बदलावों की घोषणा की थी। नए प्रारूप के तहत साल 2027 के एकदिवसीय विश्व कप में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और प्रतियोगिता को तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। जिससे मुकाबलों की संख्या और प्रतिस्पर्धा दोनों बढ़ेंगी। वहीं, 2028 के टी-20 विश्व कप में भी दूसरे चरण में अधिक टीमों को शामिल करने की योजना है, ताकि टूर्नामेंट और अधिक रोमांचक बन सके।

अश्विन का मानना है कि प्रतिस्पर्धा के लिहाज से यह कदम सही दिशा में है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि, यदि अंतिम लक्ष्य क्रिकेट का वैश्विक विस्तार करना है, तो उभरते देशों के लिए एक मजबूत व्यवस्था तैयार करनी होगी। इस अनुभवी स्पिनर ने सुझाव दिया कि नीदरलैंड, स्कॉटलैंड, नेपाल, अमेरिका और आयरलैंड जैसी टीमों को हर द्विपक्षीय श्रृंखला में तीसरी टीम के रूप में शामिल किया जा सकता है। उनका तर्क है कि इससे इन देशों को केवल क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि उन्हें शीर्ष स्तर के देशों के खिलाफ नियमित अनुभव मिलेगा।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, नेपाल, स्कॉटलैंड और अमेरिका जैसी टीमों ने सीमित अवसरों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। टी-20 विश्व कप जैसे बड़े मंचों पर भी इन टीमों ने कई मजबूत देशों को कड़ी चुनौती देकर अपनी क्षमता साबित की है, जो दर्शाता है कि सही मंच मिलने पर ये टीमें क्रिकेट के स्तर को और ऊंचा उठा सकती हैं।

अश्विन ने इस बात पर जोर दिया कि यदि सभी देशों को बराबर अवसर मिलेंगे, तो क्रिकेट का स्तर और लोकप्रियता दोनों बढ़ेंगे। उनका मानना है कि सामूहिक विकास ही इस खेल को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर और अधिक आकर्षक बना सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में क्रिकेट की सफलता केवल भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या अन्य बड़ी टीमों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि नए देशों को भी आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए।

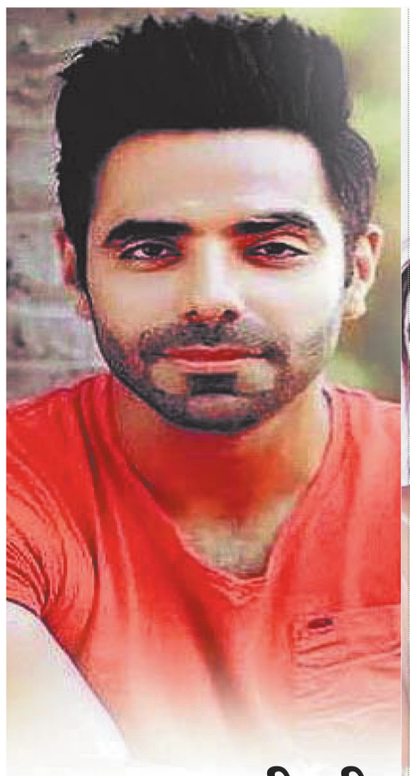

इमरान हाशमी की आगामी फिल्म में विलेन का रोल निभाएंगे अपारशक्ति खुराना

एक्टर अपारशक्ति खुराना अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं। अब अपारशक्ति इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म 'गनमास्टर जी' में विलेन का रोल निभाते नजर आएंगे। हाल ही में सेट से उनकी पहली झलक सामने आई है, जिसमें एक नजर में उन्हें पहचानना तक मुश्किल हो रहा है।

अपारशक्ति खुराना ने दिखाई अपने किरदार की झलक

अपारशक्ति ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपने लुक की झलक साझा की है। उन्होंने जबरदस्त एक्शन सीन की कई तस्वीरें और क्लिप्स शेयर कीं। साथ ही विलेन के रफ लुक में अपनी तस्वीरों और सेट की एक झलक भी दिखाई। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'विलेन की तरह चिल कर रहा हूं। सच में...'

एक्शन अवतार में नजर आएंगे इमरान हाशमी

'गनमास्टर जी' का निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है, जिन्होंने 'आशिक बनाया आपने' को डायरेक्ट किया था। आदित्य दत्त 'क्रैक', 'टेबल नंबर 21' और 'कमांडो' फ्रैंचाइजी के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में इमरान हाशमी और अपारशक्ति खुराना के अलावा जेनेलिया डिसूजा और अभिषेक सिंह भी हैं। इस फिल्म में इमरान हाशमी एक ऐसे एक्शन अवतार में दिखेंगे जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। इसमें शानदार विजुअल्स और इमोशनल कहानी होगी जो ज्यादातर दर्शकों को पसंद आएगी।

अपारशक्ति को आखिरी बार सौरभ शुक्ला की डायरेक्ट की गई रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'जब खुली किताब' में देखा गया था। यह फिल्म सौरभ शुक्ला के ही इसी नाम के स्टेज प्ले पर आधारित है। फिल्म में पंकज कपूर और डिंपल कपाड़िया एक बुजुर्ग जोड़े के रोल में हैं, जो शादी के 50 साल बाद तलाक लेने का फैसला करते हैं। इसके बाद वह नवजोत गुलाटी की डायरेक्ट की गई कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'बदतमीज गिल' में नजर आएंगे। इस फिल्म में वाणी कपूर, अपारशक्ति खुराना, परेश रावल, शीबा चड्ढा, रिचर्ड भक्ति क्लेन और मोनिका चौधरी जैसे कलाकार हैं।

नाइला ग्रेवाल को कैसे मिली एटली की फिल्म 'राका'

फिल्ममेकर एटली एक नई फिल्म 'राका' लेकर आ रहे हैं। इस पर काम जारी है। इसमें अल्लू अर्जुन लीड रोल में होंगे। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी इसमें अहम किरदार में होंगी। इस फिल्म से बॉलीवुड अभिनेत्री नाइला ग्रेवाल भी जुड़ी हैं। अभिनेत्री ने एटली के साथ काम करने के अपने अनुभव को बताया है।

नाइला ने की एटली की तारीफ

नाइला ग्रेवाल कहती हैं 'वे एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बहुत बड़े पैमाने, ऊंचे मुकाम और अलग तरह की कहानी कहने के अंदाज पर काम करते हैं। इतनी बड़ी फिल्म को हकीकत का रूप देने के लिए जितनी लगन और मेहनत की जरूरत होती है वो वही कर सकते हैं।' नाइला ग्रेवाल बॉलीवुड में अपने 11 साल के करियर के बाद, 'राका' से साउथ में डेब्यू कर रही हैं। यह प्रोजेक्ट एटली और अल्लू अर्जुन के बीच पहला सहयोग भी है। ग्रेवाल बताती हैं कि यह मौका तब मिला जब उन्होंने अपनी पहली मुलाकात में एटली के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा 'उन्होंने उस बातचीत को आगे बढ़ाया। उन्होंने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने पर विचार किया, जिसने अब तक सिर्फ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम किया हो।'

नाइला ग्रेवाल का वर्कफ्रंट

2015 में इम्तियाज अली की फिल्म 'तमाशा' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली यह एक्ट्रेस हाल ही में 'मामला लीगल है' के सीजन 2 में वकील के किरदार में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ रवि किशन, निधि बिष्ट, अनंत जोशी और अंजुम बत्रा भी थे।

32 की लड़की, शादी का दबाव और किराए के दूल्हे की खोज... मजेदार है खुशाली की 'दुल्हनिया ले आएगी' का ट्रेलर

अभिनेत्री खुशाली कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह एंटरटेनमेंट से भरपूर एक फैमिली ड्रामा फिल्म होगी। इसका ट्रेलर देखकर तो कुछ यही लग रहा है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर बीते महीने रिलीज हुआ था। आज गुरुवार को ट्रेलर सामने आया है। इसमें खुशाली कुमार के अलावा दिग्गज अभिनेता महेश मांजरेकर और पीयूष मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर की शुरुआत नव्या (खुशाली कुमार) की शादी की टेंशन से होती है। बरेली की रहने वाली नव्या की उम्र 32 हो चुकी है और शादी का बहुत दबाव है।

शादी से एक दिन पहले दूल्हे की खोज शुरू

ट्रेलर की शुरुआत ही तानों के साथ होती है, '32 की हो गई है और कितना टाइम लगेगा'। मगर, नव्या पर इसका जरा भी फर्क नहीं और वह जवाब देती है, 'हर लड़की 31 के बाद 32 की ही होती है।' जवाब मिलता है, 'हमारी रिश्तेदारी में कोई ऐसी लड़की नहीं है, जो 32 की है और उसकी शादी नहीं हुई'। कई लड़के रिजेक्ट करने के बाद एक लड़के से शादी का बात होती है, लेकिन यहां भी राह में रोड़ा है। शादी की तैयारियों के बीच चीजें बिखर जाती हैं। मां-बाप की अलग टेंशन है। ऐसे में किराए के दूल्हे की खोज शुरू होती है।

यश आहूजा के डेब्यू पर बोले गोविंदा; कहा- बेटे पर पूरा भरोसा है

अभिनेता गोविंदा करीब सात साल बाद सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने वाले हैं। वे फिल्म 'रूपा' में नजर आएंगे, जिसे प्रोड्यूस भी गोविंदा ही कर रहे हैं। इसका एलान हाल ही में गोविंदा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। इसी दौरान उन्होंने अपने बेटे यश आहूजा के डेब्यू पर भी बात की और खुशी जताई। गोविंदा के बेटे यश जल्द डेब्यू करने वाले हैं। यह बात उनकी मां सुनीता आहूजा ने हाल ही में बताई थी। फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं। अब गोविंदा ने भी बेटे यश के डेब्यू पर बात करते हुए खुशी जाहिर की। एक्टर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यश उनसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे। अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गोविंदा ने अपने बेटे के प्रतिभा की तारीफ की।

बेटे की काबिलियत पर भरोसा है

गोविंदा ने यश को बेहद प्रतिभाशाली बताते हुए कहा कि वे टेक्निकली एक अलग ही लेवल पर हैं। चाहे एक्टिंग हो, डांस हो, एक्शन हो या बस उनकी ओवरऑल पर्सनैलिटी, उनमें बहुत कुछ है। मुझे सच में उम्मीद है कि वे मुझसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे। एक्टर ने कहा कि उन्हें अपने बेटे की काबिलियत पर पूरा भरोसा है। यश अपनी मां सुनीता आहूजा के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। मां-बेटे की यह जोड़ी प्रोड्यूसर एकता कपूर की फिल्म से लॉन्च होगी। समाचार एजेंसी से बात करते हुए सुनीता ने इस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिल्म के सितंबर में रिलीज होने की उम्मीद है और यह भी बताया कि वह पर्दे पर भी यश की मां का किरदार निभाएंगी।

सोनम बाजवा के साथ बनेगी नवाजुद्दीन की जोड़ी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी इंडियन सिनेमा का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने अपने वर्सेटैलिटी से अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन अब नवाजुद्दीन बॉलीवुड से इतर पंजाबी इंडस्ट्री में भी डेब्यू करने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, वह पंजाबी भाषा की एक फिल्म से इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री सोनम बाजवा के प्रमुख रूप में नजर आने की संभावना है। सोनम बाजवा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2013 में पंजाबी फिल्म 'बेस्ट ऑफ लक' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 'सरदारजी 2', 'सुपर सिंह' जैसी कई फिल्मों में काम किया। बाद में उन्हें 'हाउसफुल 5', 'बागी 4', 'एक दीवाने की दीवानियत' और 'बॉर्डर 2' जैसे हिंदी प्रोजेक्ट्स भी मिले। नवाजुद्दीन को आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'मैं एक्टर नहीं हूं' में देखा गया था।

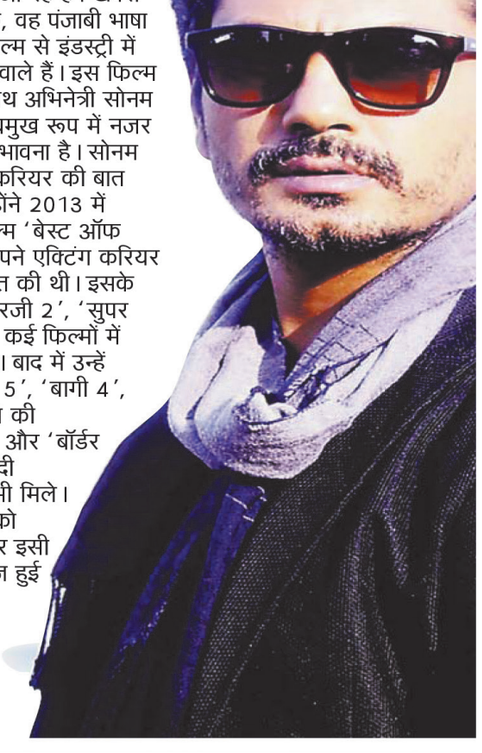

मैं रियलिटी शो का कंटेस्टेंट नहीं बन सकता

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर का आगाज करने वाले कुणाल खेमू एक्टर, डायरेक्टर, लेखक और सिंगर के रूप में अपना हुनर दिखा चुके हैं, मगर इन दिनों वह चर्चा में हैं अपने एक नए रोल में और वो है रियलिटी शो 'अलायंस' के होस्ट के रूप में। ओटीटी पर आए इस नए शो को होस्ट करने वाले कुणाल खास खास मुलाकात में पत्नी सोहा, बेटी इनाया, अपने निर्देशन, बॉक्स ऑफिस आदि पर तो बात करते ही हैं, मगर साथ ही अपने पसंदीदा होस्ट के बारे में बताना नहीं भूलते। कुणा खेमू कहते हैं, 'हमारे यहां कपिल शर्मा ने इतने सालों तक शानदार होस्टिंग की है। लोग शो उनके लिए देखते हैं। अमिताभ बच्चन सर ने 'कौन बनेगा करोड़पति' को जिस गरिमा और आवाज के साथ होस्ट किया है, वह कमाल है। सच कहूं तो मुझे ऐसा कोई होस्ट याद नहीं आता जिसके बारे में कह सकूं कि वह अच्छा नहीं है। सभी अपने-अपने तरीके से अच्छा काम कर रहे हैं।'

दिल से जुड़े रिश्तों को जाने न दें

सोहा अली के साथ कुणाल खेमू की शादी को 11 साल से भी ज्यादा हो गए हैं। अपनी खुशनुमा शादी पर जब उन्हें टिप्स देने को कहा जाता है, तो वह कहते हैं कि इस मामले में कोई टिप्स काम नहीं करते। बकौल कुणाल, 'मेरी सबसे बड़ी सलाह यही होगी कि किसी और की सलाह पर अपनी जिंदगी मत चलाइए। अपनी लाइफ अपने हिसाब से जिएं। उसमें कभी खट्टे पल होंगे, कभी मीठे। और सबसे जरूरी बात, सोशल मीडिया देखकर किसी रिश्ते को मत आंकिए। वहां कोई अपनी मुश्किलें नहीं दिखाता, हर किसी की जिंदगी अच्छी ही दिखाई देती है। हर रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं, हर अलायंस में भी आते हैं। लेकिन मैं हमेशा मानता हूं कि अगर कोई रिश्ता दिल से जुड़ा है, तो उसे इतनी आसानी से जाने नहीं देना चाहिए। हमारी बॉन्डिंग कोई एक दिन में नहीं बनी। एक-दूसरे को समझने, ट्यूनिंग बनाने और साथ बढ़ने में सालों लगते हैं। आजकल लोग रिश्तों को समय ही नहीं देते। सब कुछ बहुत जल्दी चाहिए।

निर्देशन में कंट्रोल आपके हाथ में होता है

एक्टर हो, निर्देशन या सिंगिंग या फिर होस्टिंग हो, कुणाल सबसे ज्यादा किस काम को एंजॉय करते हैं? इस पर वह कहते हैं, 'मैंने कभी भी कोई काम जरूरत के लिए नहीं किया। मुझे अगर अच्छा लगता है, मैं तभी करता हूं। हां, पहला प्यार मेरा हमेशा एक्टिंग ही रहेगा। अभिनय में मुझे बहुत ज्यादा मजा आया, मगर फिर निर्देशन और लेखन मेरे लिए काफी लिब्रेटिंग था। जब आप निर्देशन करते हैं, तो वहां कंट्रोल आपके हाथ में होता है। एक अभिनेता के तौर पर आपके हाथ में सिर्फ आपका किरदार और परफॉर्मेंस होती है। ये सब डायरेक्टर तय करता है। जब मैंने डायरेक्शन किया तो पहली बार वह कंट्रोल मेरे हाथ में था। होस्टिंग इसलिए दिलचस्प लगी क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया क्षेत्र था। मैंने पहले कभी किया नहीं था। नया सीखने का मौका मिला। 'अलायंस' जैसे रियलिटी शो की होस्टिंग करने वाले कुणाल अपने करियर में किसी रियलिटी शो का कंटेस्टेंट बनने से साफ इंकार करते हैं। वह कारण बताते हुए कहते हैं, 'नहीं... बिल्कुल नहीं। मैं नहीं बन सकता, जो लोग ऐसा करते हैं, वो बहुत बहादुर होते हैं। 24 घंटे कैमरों के बीच रहना, कोई आपको बताए कि अब उठो, अब टास्क करो, अब ये करो... मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर पाऊंगा। ऊपर से जब आप बाहर निकलते हैं तो पता चलता है कि बाहर की दुनिया ने आपके बारे में अपनी अलग राय बना ली है। मेरी पर्सनैलिटी ऐसी नहीं है कि मैं लंबे समय तक ऐसे माहौल में रह सकूं। मैं हमेशा कई चीजें कर रहा होता हूं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं एक अच्छा रिएलिटी शो कंटेस्टेंट बन पाऊंगा।'

फिल्ममेकिंग और बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस पर.....

'आज दर्शकों के पास मनोरंजन के कई ऑप्शन्स हैं। अगर किसी इंसान के पास दिन के सिर्फ तीन घंटे एंटरटेनमेंट के लिए हैं तो अब सिर्फ फिल्में उन तीन घंटों के लिए नहीं लड़ रहीं, बल्कि बाकी सारे प्लेटफॉर्म भी उसी समय के लिए मुकाबला कर रहे हैं। ऐसे में सबसे जरूरी चीज है कि आपकी कहानी दर्शक की कल्पना को पकड़ पाए। अगर कहानी अच्छी है तो बिना बड़े बजट और बिना बड़ी मार्केटिंग के भी फिल्म सफल हो जाती है। कई अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों ने यह साबित किया है। हॉलीवुड में भी ऐसी फिल्में हुई हैं, जिन्हें बहुत कम बजट में बनाया गया, लेकिन उन्होंने सैकड़ों मिलियन डॉलर का कारोबार किया जैसे ऑब्सेशन को ही ले लीजिए, क्योंकि लोग कहानी से जुड़ गए। मुझे लगता है कि अगर हर व्यक्ति अपना काम ईमानदारी और पैशन के साथ करे, लोगों पर भरोसा करे और उन्हें अपना काम करने दे, तो चीजें बेहतर होंगी।'

Printed / Published /Owned by ILEVAN H. THAKAR on behalf of ILEVAN H. THAKAR and Printed at JAY GRAPHICS AND PRINTERS, C/15, Vikram Chambers, Income Tax, Ashram Raod, Ahmedabad - 380 009. Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR.(GUI) Editor: ILEVAN H. THAKAR